''स्वाद के कारण स्वास्थ्य खतरे में''

- युवाचार्यश्री महाश्रमण

लाडनूं, 25 जून।

युवाचार्यश्री महाश्रमण ने जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा में उपस्थित धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य पांच इन्द्रियों वाला प्राणी है उसमें चौथी इन्द्रिय है रसनेन्द्रिय। प्रत्येक इन्द्रिय को असंख्य प्रदेश का स्थान ग्रहण करने के लिए चाहिए। रसनेन्द्रिय को कठिन माना गया, दुष्कर माना गया है। आदमी का समाज के प्रति भी आकर्षण होता है किंतु व्यक्ति कई बार स्वाद को मुख्यता दे देता है और स्वास्थ्य को गौण कर देता है, लेकिन वास्तविक दृष्टि से स्वाद को मुख्यता नहीं देनी चाहिए। स्वाद को मुख्यता के कारण स्वास्थ्य की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है।

युवाचार्य महाश्रमण ने आगे कहा कि जो व्यक्ति प्राप्त वस्तुओं का अपने मन से त्याग करता है वही त्यागी हो सकता है। मनुष्य को रसनेन्द्रिय संयम करने का लक्ष्य के साथ प्रयास करना चाहिए। मनुष्य त्याग करने का प्रयास करे और उसके साथ संयम का भी प्रयास करना चाहिए। मनुष्य अपनी रसनेन्द्रिय पर नियंत्रण करता है तो वह एक तरह से आत्मा की शुद्धि प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

जीवन विज्ञान संस्कार निर्माण प्रतियोगिता के प्रतिभागी पुरस्औत

लाडनूं, 25 जून।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ एवं युवाचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में जीवन विज्ञान संस्कार निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 1028 प्रतियोगियों ने भाग लिया उसमें सौ प्रतियोगियों को एक-एक हजार रुपये की नकद राशि जैन विश्व भारती के मंत्री भीखमचन्द पुगलिया ने भेंट की। इसके अलावा प्रथम दस संभागियों में प्रथम स्थान पर सरदारशहर की सुश्री ज्योति दफ्तरी को लेपटोप व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली नोखा की सुश्री आरती चौपड़ा को कम्प्यूटर सेट व तृतीय स्थान पर बालोतरा की पूजा ओस्तवाल को एमपीथ्री मीडिया प्लेयर सेट सुमेरमल सुराणा, पारस बोरड़ ने पुरस्कार स्वरूप भेंट किया।

कार्यक्रम का संचालन जीवन विज्ञान अकादमी के सुन्दरलाल माथुर व डॉ. अंशुमान शर्मा ने किया।

प्रेक्षाध्यान से आत्मासाक्षात्कार एवं पूर्व जन्म अनुभूति शिविर 1 जुलाई से

लाडनूं, 25 जून।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ एवं युवाचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में एवं प्रेक्षाप्राध्यापक मुनि किशनलाल के निर्देशन में दिनांक 1 जुलाई से 5 जलुाई तक शिविर का आयोजन किया जाएगा। तुलसी अध्यात्म नीडम व अहा जिन्दगी के तत्वावधान में जैन विश्व भारती के तुलसी अध्यात्म नीडम में आयोजित होने वाले इस शिविर में आत्मा का साक्षात्कार कराया जाएगा।